पाठ 15

# मनुज को खोज निकालो

– श्री सुमित्रानंदन पंत

**श्री सुमित्रानंदन पंत हिन्दी काव्य जगत में प्रकृति के सुकुमार कवि नाम से प्रसिद्ध हैं। प्रकृति से मानवता की खोज उनकी कविता का मुख्य विषय है। आज मनुष्य ने अपने बीच अनेक दीवारें खड़ी करके मनुष्य–मनुष्य को बहुत सारे वर्गों में बाँट दिया है। इन विभिन्न वर्गों में बँटे हुए मनुष्यों में से कवि सच्चे मनुष्यों की खोज करना चाह रहा है। वे मनुष्य ऐसे हों जो धर्म, जाति, देश, भाषा आदि के भेद से ऊपर उठे हों।**

आज मनुज को खोज निकालो।
जाति, वर्ण, संस्कृति, समाज से,
मूल व्यक्ति को फिर से चालो।
देश–राष्ट्र के विविध भेद हर,
धर्म–नीतियों में समत्व भर,
रूढ़ि–रीति गत विश्वासों की
अंध–यवनिका आज उठा लो। आज मनुज को खोज निकालो।
भाषा–भूषा के जो भीतर,
श्रेणि–वर्ग से मानव ऊपर,
अखिल अवनि में रिक्त मनुज को
केवल मनुज जान अपना लो। आज मनुज को खोज निकालो।
राजा, प्रजा, धनी और निर्धन
सभ्य, असंस्कृत, सज्जन, दुर्जन
भव–मानवता से सबको भर,
खंड–मनुज को फिर से ढालो। आज मनुज को खोज निकालो।

शब्दार्थ– **अखिल**–संपूर्ण, समग्र, **अवनि**–पृथ्वी, जमीन, **विविध**–बहुत प्रकार का, अनेक तरह का, भाँति भाँति का, **समत्व**–समता, बराबरी, यवनिका–नाटक का पर्दा, **दुर्जन**–दुष्ट जन, खल, खोटा आदमी, **असंस्कृत**–असभ्य, बिना सुधारा हुआ, **रीति**–कोई कार्य करने का ढंग, प्रकार, तरह।

# अभ्यास

## पाठ से

1. मूल व्यक्ति को कवि ने कहाँ से खोज निकालने को कहा है ?
2. कवि ने मानव समाज में फैली किन–किन विविधताओं का उल्लेख किया है ?
3. मूल व्यक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है ?
4. आज समाज में व्यक्ति–व्यक्ति के बीच किस प्रकार के भेद उत्पन्न हो गए हैं ?
5. इस कविता में कवि ने 'खंड मनुज' का प्रयोग किया है। इससे आप क्या समझते है
6. कवि किस अंध यवनिका को उठाने की बात कह रहा है ?
7. वर्गों में बँटा हुआ मनुष्य किस प्रकार पूर्ण मनुष्य बन सकता है ?
8. रुढ़ि रीतिगत विश्वासों को मिटा देने की बात कवि ने क्यों की है ?

## पाठ से आगे

1. आप की दृष्टि में एक आम आदमी की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए। चर्चा कर लिखिए।
2. भाईचारे की भावना को विकसित करने पर पाठ में बार–बार बल दिया गया है। भाईचारे की भावना के विकास में बाधक तत्व कौन–कौन से हो सकते हैं? मित्रों और शिक्षकों से बातचीत कर लिखिए।
3. मनुष्य और मनुष्य के बीच जो भी भेद बताए गए हैं वे भाषा, वेशभूषा, उपासना के आधार पर बताए गए हैं जो केवल बाह्य तत्व हैं, जबकि मूल रूप से सभी मनुष्य एक हैं। कैसे ? इस विषय पर अपनी सहमति और असहमति को कारण सहित लिखिए।
4. हमारे देश में भाषा के दुराग्रह ने एक मनुष्य को दूसरे का दुश्मन बना दिया है। कैसे? शिक्षक तथा साथियों से चर्चा कर लिखिए।
5. हमारे समाज में फैली रुढ़ियों और अंधविश्वासों ने किस प्रकार लोगों में एक–दूसरे के प्रति घृणा के भाव पैदा कर दिए हैं ? स्वयं के अनुभव के आधार पर उदाहरण के माध्यम से अपनी बात को रखिए।
6. इस कविता में एक सच्चे मनुष्य को खोज निकालने की बात कही गई है। एक सच्चे मनुष्य को लेकर आपके मन में क्या कल्पना है? दस वाक्यों में लिखिए।

## भाषा से

1. पाठ में प्रयुक्त इन शब्दों के विलोम अर्थ को प्रगट करने वाले शब्दों को ढूँढिए मनुज, विविध, रीति, अवनि, सभ्य, रिक्त, अपनाना, खंड, असंस्कृत, जाति, वर्ण, विश्वास, भीतर, ऊपर, राजा, धनी।
2. कविता में बहुत से समान रूप से उच्चारित शब्दों का प्रयोग हुआ है वाक्य प्रयोग द्वारा आप इनके अर्थ को स्पष्ट कीजिए –
3. निम्नलिखित के दो–दो समानार्थी शब्द लिखिए–

   भव, राजा, धनी, निर्धन, मानव, अवनि, खोजना, निर्धन,अखिल।
4. भाषा–भूषा एक सामासिक शब्द है, जिसके दोनों शब्द संज्ञा हैं। बीच में 'और' का लोप है। इसी प्रकार के और चार शब्द कविता में से छाँटिए।
5. इन शब्दों को शब्दकोश में दिए गए क्रम के अनुसार लिखिए।

   समत्व, भूषा, भव, असंस्कृत, विविध, विश्वास, अंध, वर्ण, अवनि, अखिल।
6. निम्नलिखित समानोच्चारित शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–

   चिता/चीता, राज/राजा, अंध/अंधा, भव/भाव, जन/जान।

- 'मनु' शब्द में 'ज' प्रत्यय जोड़कर 'मनुज' शब्द बना है, जिसका अर्थ है 'मनु से जन्मा।

## योग्यता विस्तार

1. आपके आस–पास के समाज में ढेर सारी रुढ़ियाँ और अंधविश्वास प्रचलित हैं। वे कौन–कौन सी रुढ़ियाँ और अंधविश्वास हैं? उन्हें खोज कर विस्तार से एक सूची बनाएँ। वे क्यों प्रचलित हैं और लोग अपने जीवन में उन्हें क्यों प्रश्रय देते हैं? इसके कारणों का उल्लेख अपने शिक्षकों, बड़े–बजुर्गों, और अभिभावक से बात कर लिखिए।
2. कवि पंत को प्रकृति का सुकुमार कवि कहा जाता है। पंत जी की प्रकृति से संबंधित कोई एक रचना खोजिए और बालसभा में उसका सस्वर गायन कीजिए।